भारत सरकार

रक्षा मंत्रालय

रक्षा विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 4024

24 मार्च, 2023 को उत्तर के लिए

रक्षा व्यय

4024. श्रीमती नुसरत जहां:

क्या रक्षा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या वर्ष 2014 से सकल घरेलू उत्पाद के प्रतिशत के रूप में रक्षा व्यय में गिरावट आई है;

(ख) यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार ने सकल घरेलू उत्पाद के प्रतिशत के रूप में अपने रक्षा व्यय को बढ़ाने के लिए कोई कदम उठाए हैं; और

(घ) यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

रक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री अजय भट्ट)

(क) से (घ): वित्त वर्ष 2014-15 से 2023-24 तक सकल घरेलू उत्पाद के प्रतिशत के रूप में रक्षा व्यय का विवरण निम्नलिखित तालिका में दिया गया है:-

(करोड़ रुपए में)

वित्त वर्ष	रक्षा व्यय (सकल)	सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी)	सकल घरेलू उत्पाद के प्रतिशत के रूप में रक्षा व्यय
2014-15	3,17,207	1,24,67,960	2.54
2015-16	3,27,096	1,37,71,874	2.38
2016-17	3,89,614	1,53,91,669	2.53

2017-18	4,17,242	1,70,90,042	2.44
2018-19	4,42,683	1,88,99,668 (तृतीय आरई)	2.34
2019-20	4,88,795	2,00,74,856(द्वितीय आरई)	2.43
2020-21	5,23,330	1,98,00,914(प्रथम आरई)	2.64
2021-22	5,32,264	2,36,64,637(पीई)	2.25
2022-23 (आरई)	6,15,582	2,73,07,751(प्रथम एई)	2.25
2023-24 (बीई)	6,23,758	3,01,75,065	2.07

नोट (क) वित्तीय वर्ष 2014-15 से 2022-23 तक के जीडीपी आंकड़े आर्थिक सर्वेक्षण 2022-23 से लिए गए है – तालिका 1.6 : वर्तमान मूल्यों पर सकल घरेलू उत्पाद के घटक ।

(ख) वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए सकल घरेलू उत्पाद संबंधी आंकड़े बजट सार 2023-24 से लिए गए हैं ।

बीई – बजट अनुमान आरई – संशोधित अनुमान
पीई – अनंतिम अनुमान एई – अग्रिम अनुमान

उपर्युक्त आंकड़ों से यह देखा जा सकता है कि सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि में बढ़ोतरी के रूझान के कारण, जीडीपी के प्रतिशत के रूप में रक्षा व्यय घटता हुआ प्रतीत हो सकता है। हालांकि, रक्षा व्यय में समग्र रूप से वृद्धि हो रही है जिसमें उच्चतर व्यय शामिल है । इसके अलावा, जब भी आवश्यकता होती है, पूरक/संशोधित अनुमान चरण में निधियों की मांग की जाती है । इसके अतिरिक्त, यदि आवश्यकता होती है तो प्राथमिकताओं के पुनर्निधारण के जरिए यह सुनिश्चित किया जाता है कि तत्काल और महत्वपूर्ण क्षमताओं का अर्जन रक्षा सेनाओं की संक्रियात्मक तैयारियों से समझौता किए बगैर किया जाता है ।

*****